University in News on 12 April 2020

AMAR UJALA MY CITY Page 3

क्वारंटीन सेंटर के लिए लविवि देगा दो छात्रावास व गेस्ट हाउस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, क्वारंटीन सेंटर बनाने के लिए अपने दो छात्रावास और गेस्ट हाउस जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएगा। विवि प्रशासन के अनुसार, इन दोनों छात्रावास में 150 लोगों को क्वारंटीन किया जा सकेगा। हर कमरे में एक-एक बेड ही रखा जाएगा। वहीं दूसरी ओर लविवि गेस्ट हाउस में डॉक्टरों के रहने की व्यवस्था की जा सकेगी।

लविवि की चीफ प्रोवोस्ट प्रो. मनुखा खन्ना ने बताया कि कम्युनिटी में संक्रमण की आशंका में ज्यादा से ज्यादा लोगों को क्वारंटीन करने की नौबत आ सकती है। इसलिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय

डॉक्टरों के साथ ही 150 लोगों को रखने की होगी व्यवस्था

के निर्देश पर दो छात्रावास और गेस्ट हाउस इस काम के लिए दिया जा रहा है। इसके तहत बीरबल साहनी छात्रावास के 96 कमरे और आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास के 40 कमरे दिए जा रहे हैं। बीरबल साहनी छात्रावास में दो हाल और आचार्य नरेंद्र छात्रावास का एक हाल भी उपयोग में लाया जा सकता है। इनकी सफाई कराई जा रही है। इसके बाद सैनिटाइज करके ये कमरे जिला प्रशासन को उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

NBT Page 5

अब एलयू हॉस्टल में भी क्वारंटीन होंगे कोरोना के संदिग्ध मरीज

देखरेख को डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ भी साथ रहेंगे

■ एनबीटी, लखनऊ : ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती उर्दू अरबी फारसी विश्वविद्यालय के बाद अब लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के हॉस्टलों में क्वारंटीन में कोरोना के संदिग्ध मरीजों को रखा जाएगा। इसके लिए एलयू प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। एलयू में लगभग 150 कमरे और गेस्ट हाउस की व्यवस्था की गई है।

एलयू प्रशासन ने कोरोना के संदिग्ध मरीजों के लिए अपने हॉस्टल के कमरे देने का फैसला किया है। चीफ प्रोवोस्ट मुनुका खन्ना के मुताबिक, बीरबल साहनी में 96 कमरे व दो हॉल, 40 कमरे आचार्य नारायण देव हॉस्टल के व एक हॉल दिया जाएगा। रविवार को इन सभी कमरों को शासन के सिपुर्द कर दिया जाएगा। इसके साथ गेस्ट हाउस भी तैयार किए जा रहे हैं जिसमें कोरोना के संदिग्ध मरीजों की देखरेख करने वाले डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ रहेंगे। इस कार्य में एलयू का स्टाफ भी साथ देगा।

एलयू ने कोविड केयर फंड में दिया ₹34.81 लाख

एलयू प्रशासन ने कोरोना और लॉकडाउन की विपदा से निटपने के लिए मुख्यमंत्री कोविड केयर फंड में अनुदान दिया है। एलयू कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ के एक दिन के वेतन को काटकर कुल ₹34,81,918 की धनराशि इकट्ठा की गई है।

Dainik Jagran Page 5

सभी विवि को भेजें नैक मूल्यांकन का मॉडल : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानकों के अनुसार नैक मूल्यांकन कराने के लिए तैयार किए गए मॉडल का प्रस्तुतीकरण दिया। राज्यपाल ने इस मॉडल को उन सभी विवि को भेजने के लिए कहा, जिनका नैक मूल्यांकन वर्ष 2020 में होना है ताकि वे समय रहते तैयारियां पूरी कर सकें।

गत 11 जनवरी को नैक मूल्यांकन के संबंध में राजभवन में आयोजित कुलपतियों की बैठक में राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श मॉडल तैयार करने की जिम्मेदारी लखनऊ विवि को सौंपी थी। प्रस्तुतीकरण देखने के बाद राज्यपाल ने नैक मूल्यांकन व उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए प्रस्तुत किए गए मॉडल की सराहना की।

HINDUSTAN Page 4

ऑनलाइन पढ़ाई पर विचार के लिए कमेटी गठित

विश्वविद्यालय

राज्य मुख्यालय | प्रमुख संवाददाता

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालयों द्वारा शैक्षिक पाठ्यक्रमों को ई-अध्ययन (आनलाइन) के माध्यम से पूर्ण कराने तथा परीक्षा, मूल्यांकन एवं शैक्षिक वर्ष 2020-21 की योजना बनाने पर विचार करने के लिए सात सदस्यीय विशेषज्ञ कमेटी का गठन किया है। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय लखनऊ के कुलपति प्रो. विनय पाठक कमेटी के अध्यक्ष बनाए गए हैं। कमेटी 30 अप्रैल तक अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को प्रस्तुत करेगी।

आनंदीबेन पटेल,राज्यपाल

आईआईएमटी मेरठ के कुलपति प्रो. वीके सिंह, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कृष्ण सिंह, नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कुलपति महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के कुलपति प्रो. टीएन सिंह तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

इससे पहले राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने एक अप्रैल 2020 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कोविड-19 के कारण उत्पन्न स्थिति, वायरस के रोकथाम के मद्देनजर आनलाइन अध्ययन एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए थे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की एडवाइजरी के बाद ज्यादातर राज्य विश्वविद्यालयों ने ई-कंटेंट भी तैयार कर लिया है। वे अपने पोर्टल के माध्यम से आनलाइन अध्ययन की सुविधा भी मुहैया करा रहे हैं।

नैक मूल्यांकन के लविवि के मॉडल को सराहा

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के सामने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के मानक के अनुसार नैक मूल्यांकन के लिए तैयार मॉडल का प्रस्तुतीकरण दिया। राज्यपाल ने इस मॉडल की सराहना करते हुए इसे सभी विश्वविद्यालयों को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। विगत 11 जनवरी को नैक मूल्यांकन के संबंध में राजभवन में आयोजित कुलपतियों की बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के लिए आदर्श मॉडल तैयार करने की जिम्मेदारी लखनऊ विश्वविद्यालय को दी गई थी।

Amrit Vichar Page 2

एलयू के प्रोफेसरों व कर्मचारियों ने दिया एक दिन का वेतन

एलयू के कुलपति प्रो. आलोक राय ने सीएम को 34 लाख, 81 हजार, 918 रु. का चेक सौंपा।

लखनऊ। राजधानी के अन्य विश्वविद्यालयों की तरह लखनऊ विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ प्रोफेसरों ने एक दिन का वेतन सीएम रिलीफ फंड मे दान किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात और इस दौरान उन्होंने 34 लाख 81 हजार 918 रुपए का चेक सौंपा। कुलपति ने इस दौरान कोरोना के संकट से निपटने के लिए विश्वविद्यालय की ओर से उठाये गये कदमो के बारे मे बताया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जरूरतमंदो को भोजन के पैकेट जिला प्रशासन के अधिकारियों के माध्यम से पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, विश्वविद्यालय मे किचेन की शुरुआत की गयी है जिसमे विश्वविद्यालय के कर्मचारियो समेत अधिकारी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं।

राज्यपाल के साथ बैठक करते लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति। फोटो : अमृत विचार

अमृत विचार लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार व साथ ही नैक मूल्यांकन की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के साथ शनिवार को बैठक की । इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय की स्थिति के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने नैक मूल्यांकन से विश्वविद्यालय की ओर की गयी तैयारियों के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से सरकार को दी गयी सहायता राशि के बारे में भी अवगत कराया। इस दौरान छात्र-छात्राओं के प्रवेश का प्रतिशत, छात्र-शिक्षक अनुपात तथा विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध संसाधनों के बारे में भी भी विस्तार से चर्चा की।

Pioneer Page 3

विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन शिक्षण व्यवस्था के लिए समिति

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कोविड-19 के चलते लॉकडाउन के समय में विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रमों को ई-माध्यम से पूरा कराने, परीक्षा, मूल्यांकन तथा शैक्षिक सत्र 2020-21 के लिए प्रभावी योजना बनाने के लिए एक सात सदस्यीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया है। इस समिति का अध्यक्ष डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को नामित किया गया है। यह समिति 30 अप्रैल 2020 तक अपनी रिपोर्ट राज्यपाल को सौंपेगी। एकेटीयू ने लॉकडाउन के दौरान एलएमएस के माध्यम से ई-लर्निंग एवं वर्चुअल क्लास रूम जैसी अवधारणाओं को मूर्त रूप प्रदान किया है। एकेटीयू ने कोरोना संक्रमण

के इस विपरीत समय में कुलपति प्रो. पाठक ने नेतृत्व में ई-अध्ययन के साथ ही ऑनलाइन पूल प्लेसमेंट एवं ऑनलाइन इंटर्नशिप जैसे जटिल कार्य को भी बखूबी अंजाम दिया है। एकेटीयू द्वारा ऑनलाइन लर्निंग के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को विशेषज्ञ समिति का अध्यक्ष नामित किया है। समिति में शामिल अन्य सदस्य क्रमश: प्रो. वीके सिंह कुलपति आईआईएमटी मेरठ, डॉ. विजय कृष्ण सिंह कुलपति दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, प्रो. बिजेन्द्र सिंह कुलपति एनडी कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय फैजाबाद, प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, प्रो. टीएन सिंह कुलपति महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी तथा प्रो. आलोक कुमार राय कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ हैं। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 1 अप्रैल 2020 को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को कोविड-19 के कारण उत्पन्न स्थिति, वायरस के रोकथाम के मद्देनजर आनलाइन अध्ययन एवं इसके विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श करने के निर्देश दिए

TOI Page 3

LU presents NAAC grading model

Lucknow University presented a model on effective implementation of all parameters set by the University Grants Commission in order to achieve a good score in National Assessment Accreditation Council to Governor Anandiben Patel, who is also the chancellor of all state universities, on Saturday. Lucknow University has been given the responsibility to prepare a model for improving NAAC grading of state universities in January this year. The model will be sent for implementation to all universities which are going for NAAC grading this year.

LU staff donates one day's salary

Lucknow University teaching and non-teaching employees contributed a day's salary in

the Covid Care Fund on Saturday. Vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai handed over a cheque of Rs 34.81 lakh to chief minister Yogi Adityanath.

Hindustan Times page 10

LU to help over-stressed police personnel

HT Correspondent

> Our teachers will help cops, who are overstressed, due to long hours of work and are dealing with personal risk and emotional trauma every day. Coordinator of this programme will be Dr Archana Shukla from the department of psychology.
>
> DURGESH SRIVASTAV, LU spokesperson

LUCKNOW: In a major reprieve to the over-stressed police personnel of the state police, Lucknow University (LU) will provide them assistance in relieving stress, caused by their increased workload due to ongoing lockdown.

An agreement between the university administration and police department was signed on Friday in this regard.

According to the university officials, professors of the university's psychology department will be in touch with the police personnel, deployed at the emergency response service 112 of the state police.

"The workload of police personnel, deployed at 112, has increased manifold due the ongoing Covid-19 lockdown. They are now handling calls from people, stuck in the lockdown without food or medicine as they have also to deal with usual crime incidents. This excess work pressure may put undue stress on the police personnel," said a senior UP police official. Considering this, Lucknow University had approached police to assist them to let go of their stress. LU spokesperson Durgesh Srivastav said, "As per the agreement, our teachers will help police personnel, who are overstressed, due to long hours of work and are dealing with personal risk and emotional trauma every day. Coordinator of this programme will be Dr Archana Shukla from the department of psychology."

Earlier the university had started its online/ telephonic counseling for students, suffering from anxiety and other mental disorders to help them during the lockdown. According to experts, people with underlying mental health issues face several difficulties in the lockdown. Considering this, LU is offering its services through counseling of students of the entire university to empower them with right information and much needed emotional support.

Teachers of the psychology department are providing counselling services to those suffering in any manner due to the isolation, experienced during the crucial period of self-quarantine in fight against Covid-19 outbreak.

Governor forms committee of VCs

LUCKNOW: Uttar Pradesh governor and chancellor, Anandiben Patel has constituted a seven-member expert committee of vice chancellors that will work towards effective planning for the academic session 2020-21 by developing e-learning material, examination procedure and evaluation in the lockdown situation due to COVID-19 outbreak. The committee is expected to submit a detailed report to the governor by April 30. Dr. APJ Abdul Kalam Technical University vice chancellor Vinay Kumar Pathak was nominated as the chairman of the committee.

In view of the work done by AKTU in the field of online learning, chancellor Anandiben Patel has nominated prof Pathak as chairman of the expert committee. On April 1, she had appealed to all VCs to devise mechanism for developing online study material. HTC